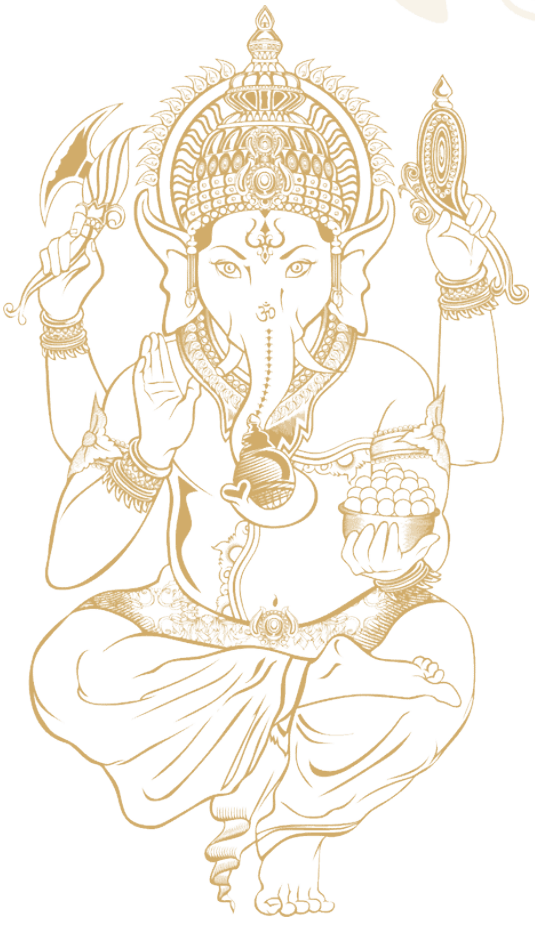

Jitan Kho

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121188803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
26-27/05/1997	जन्म तिथि	25/11/1998
सोम-मंगलवार	दिन	बुधवार
घंटे 02:22:00	जन्म समय	19:04:58 घंटे
घटी 52:21:17	जन्म समय(घटी)	30:33:09 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Motihari
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:40:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	84:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:25:29	सूर्योदय	06:17:05
19:11:41	सूर्यास्त	16:57:23
23:49:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:19

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
सूर्य 0वर्ष 3मा 2दि		12:50:58	मीन	लग्न	मिथु	11:10:49	चन्द्र 1वर्ष 3मा 29दि	
राहु		11:48:23	वृष	सूर्य	वृश्चि	09:14:14	गुरु	
29/08/2014		09:25:45	मक	चंद्र	मक	21:33:33	26/03/2025	
28/08/2032		27:31:25	सिंह	मंगल	कन्या	05:07:00	26/03/2041	
राहु	11/05/2017	17:03:21	मेष	बुध व	वृश्चि	22:18:19	गुरु	14/05/2027
गुरु	04/10/2019	27:48:07	मक	गुरु	कुंभ	24:34:18	शनि	24/11/2029
शनि	10/08/2022	26:00:18	वृष	शुक्र	वृश्चि	15:48:48	बुध	01/03/2032
बुध	27/02/2025	23:01:19	मीन	शनि व	मेष	03:57:18	केतु	05/02/2033
केतु	17/03/2026	02:08:59	कन्या व	राहु व	सिंह	02:02:20	शुक्र	07/10/2035
शुक्र	17/03/2029	02:08:59	मीन व	केतु व	कुंभ	02:02:20	सूर्य	25/07/2036
सूर्य	09/02/2030	14:46:39	मक व	हर्ष	मक	15:34:04	चन्द्र	24/11/2037
चन्द्र	11/08/2031	05:58:27	मक व	नेप	मक	06:06:02	मंगल	31/10/2038
मंगल	28/08/2032	10:22:15	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:53:38	राहु	26/03/2041

लग्न-चलित

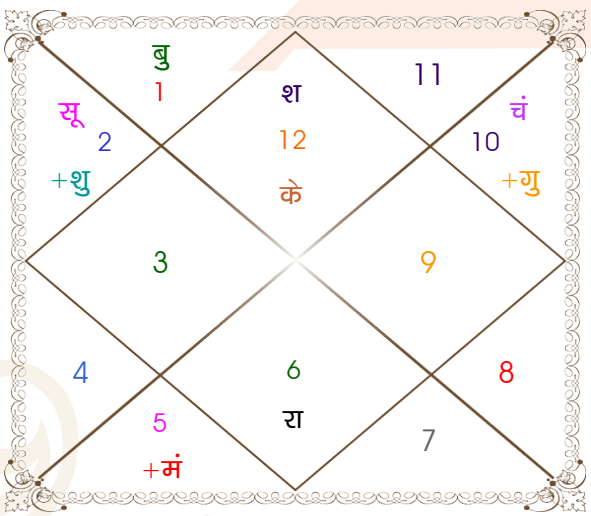

लग्न-चलित

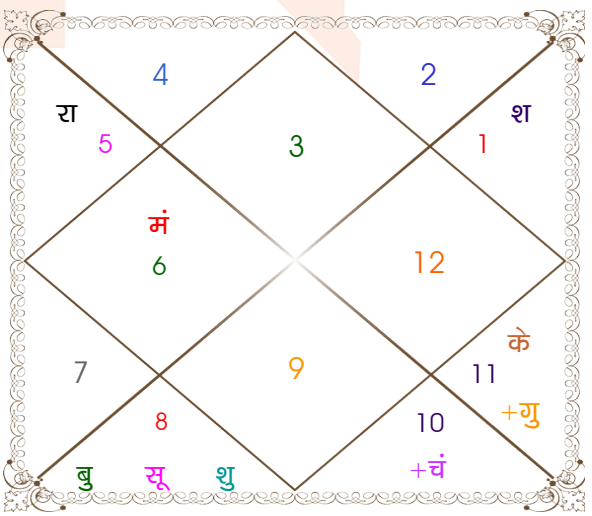

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	नकुल	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Kho का नक्षत्र श्रवण है।

Jitan का वर्ग सिंह है तथा Kho का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jitan और Kho का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jitan मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Kho मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jitan कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jitan तथा Kho में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।